भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3990
12.08.2026 को उत्तर देने के लिए

विनिर्माण क्षेत्र की सकल वर्धित मूल्य में हिस्सेदारी

3990. श्री कीर्ति आज़ाद

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2020-21 से 2026-27 तक बुनियादी कीमतों पर सकल वर्धित मूल्य (जीवीए) में विनिर्माण क्षेत्र की वर्ष-वार हिस्सेदारी का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान विनिर्माण जीवीए की वृद्धि दर तथा वर्ष 2020-21 से 2026-27 के लिए चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) का क्रमशः वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान उपलब्ध आंकड़ों से कुल जीवीए में विनिर्माण की हिस्सेदारी में किसी महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत मिलता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और व्यापक स्तर पर रोजगार सृजित करने की इसकी क्षमता को प्रभावित करने वाली संरचनात्मक बाधाओं की जांच करने के लिए कोई आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), योजना मंत्रालय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संस्कृति मंत्रालय राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी के आधार वर्ष को 2011-12 से संशोधित कर 2022-23 कर दिया है और संशोधित श्रृंखला फरवरी, 2026 में जारी की गई थी। संशोधित श्रृंखला (2022-23 आधार) के अनुसार, वर्ष 2022-23 से वर्ष 2025-26 की अवधि के दौरान वर्तमान मूल्यों पर भारत के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान और स्थिर मूल्यों पर विनिर्माण जीवीए की वृद्धि दर निम्नलिखित हैः

संकेतक	2022-23	2023-24	2024-25 (एफआरई)	2025-26 (पीई)
कुल जीवीए में विनिर्माण का हिस्सा (% में)	14.7	14.7	14.5	14.8
पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन (% में)	-	(+)12.7	(+)9.3	(+)10.7

नोटः एफआरई -पहला संशोधित अनुमान, पीई -अनंतिम अनुमान
स्रोतः दिनांक 05.06.2026 के जीडीपी अनुमानों के अनंतिम अनुमानों की प्रेस विज्ञप्ति

वर्ष 2022-23 से वर्ष 2025-26 के दौरान संशोधित श्रृंखला के अनुसार स्थिर मूल्यों (आधार वर्ष 2022-23) पर जीवीए विनिर्माण की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 10.88% है।

संबंधित श्रृंखला में उपलब्ध आंकड़े कुल सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में विनिर्माण की हिस्सेदारी में किसी महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत नहीं देते हैं।

(घ): सरकार ने विनिर्माण क्षेत्र के सुदृढ़ता बढाने और बाहरी प्रभावों के प्रति इसकी संवेदनशीलता को कम करने के लिए कई संरचनात्मक सुधार और पहल की हैं। इनमें अन्य बातों के साथ-साथ, उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं, पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति, भारत औद्योगिक विकास योजना (बीएचएवीवाईए), सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को बढ़ावा देने संबंधी पहल, और सतही कोयला/लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने संबंधी योजना, व्यवसाय सुगमता में सुधार, राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) शामिल हैं। सामूहिक रूप से, इन पहलों का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को सुदृढ़ बनाना, आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाना, कार्यनीति क्षेत्रों में आयात निर्भरता को कम करना, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना और भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की सुदृढ़ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है।

*****